देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 128 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...नए इंडिया का नया सत्र

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 22 जून 2019

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 33.0° न्यूनतम 23.0°

39194.49 | 2 तेल अवीव में सैकड़ों लोगों ने किया योग | 7 विराट कोहली का बच्चों को संदेश

तीन तलाक बिल लोकसभा में पेश

कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद और औवैसी में हुई तीखी बहस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। बहुचर्चित तीन तलाक बिल एक बार फिर संसद में है। मोदी सरकार ने 17वीं लोकसभा में अपने पहले बिल के रूप में शुक्रवार को 'मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक 2019' पेश किया। विपक्ष के विरोध के बीच यह बिल 74 के मुकाबले 186 मतों के समर्थन से पेश हुआ।

बिल को पेश किए जाने के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्षी सांसदों, खासतौर पर कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुसलमीन के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के बीच तीखी बहस हुई। कानून मंत्री ने सदन में बिल को पेश करते हुए कहा कि यह मुस्लिम महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने इस बिल को असंवैधानिक और भेदभाव वाला बताकर विरोध किया। संसद में पेश यह विधेयक एक ही बार में तीन तलाक कहने (तलाक-ए-बिद्दत) पर रोक लगाने के लिए है।

3 तलाक बिल पिछली लोकसभा में पारित हो चुका था, लेकिन सोलहवीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण और राज्य सभा में लंबित रहने के कारण यह निष्प्रभावी हो गया। अब सरकार इसे दोबारा सदन में लेकर आई है।

सदन का काम कानून बनाना, इसे अदालत न बनाएं: प्रसाद

बिल को पेश करते हुए कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा, पिछले साल दिसंबर में लोकसभा से पारित किया, राज्यसभा में पेंडिंग था। चूंकि लोकसभा का कार्यकाल समाप्त हो गया तो नई लोकसभा में संविधान की प्रक्रिया के तहत नए सिरे से नया बिल लाए हैं।

दावा

■मुस्लिम महिलाओं के हितों की रक्षा वाला बताया

कांग्रेस और ओवेसी ने किया बिल का विरोध

कांग्रेस ने तीन तलाक बिल पेश किए जाने का विरोध किया। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बिल का यह कहकर विरोध किया कि यह समुदाय के आधार पर भेदभाव करता है। तीन तलाक को आपराधिक बनाने का विरोध करता हूं। असदुद्दीन ओवैसी ने तीन तलाक बिल संविधान के आर्टिकल 14 और 15 का उल्लंघन बताकर विरोध किया। ओवैसी ने बिल को मुस्लिमों के साथ भेदभाव करने वाला बताया।

भारत के खिलाफ और कार्रवाई को तैयार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पॉम्पियो की भारत यात्रा से पहले व्यापार प्रतिनिधि की चेतावनी

वॉशिंगटन। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत को आगाह किया है कि वह अनुचित व्यापार गतिविधियों को लेकर उसके खिलाफ कुछ अतिरिक्त कार्रवाई कर सकता है। अमेरिका ने कहा है कि दोनों देशों के बीच इस मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है जिसकी वजह से उसे अतिरिक्त कार्रवाई जैसा कदम उठाना पड़ सकता है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर ने यह चेतावनी दी।

कुछ दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से जीएसपी का दर्जा छीन लिया था। भारत अमेरिका के दशकों पुराने जीएसपी कार्यक्रम का लाभार्थी रहा है। अमेरिकी संसद के आंकड़ों के अनुसार इस कार्यक्रम की वजह से भारत ने 2017 में अमेरिका को 5.7 अरब डॉलर की शुल्क मुक्त वस्तुओं का निर्यात किया था।

गौरतलब है कि ट्रंप अमेरिकी उत्पादों पर भारत में अधिक टैक्स लगाने का आरोप लगाते रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय इस्पात और अल्युमिनियम के कुछ खास उत्पादों पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी के फैसले के बाद जवाबी कार्रवाई के तौर पर भारत ने भी 28 अमेरिकी उत्पादों पर टैक्स बढ़ा दिया है।

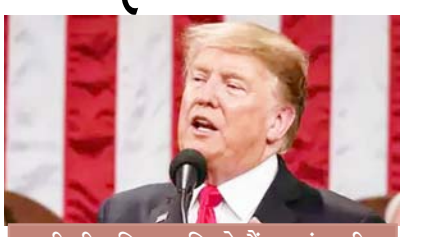

हमारी ही दलित जाति के हैं बजरंगबली

लाइटहाइजर ने कहा था, हमने भारत को लेकर चिंता में काफी समय खर्च कर दिया है। भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है और यह आगे और बड़ी होगी। यह अमेरिका के किसानों और कंपनियों के लिए एक बड़ा अवसर है। यह कहने के बावजूद हमारी उनके साथ काफी समस्याएं हैं। हाल के महीनों में हमने यह मुद्दा उनके साथ उठाया है।

मीडिया पर भड़के नीतीश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संसद में भी गूंजा मामला

पटना। बिहार में अक्यूट इन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से बच्चों की मौत का सिलसिला जारी है। आंकड़े 136 के पार पहुंच गए हैं लेकिन सूबे की सरकार इसे लेकर संवेदनशील नहीं दिख रही है। कम से कम सूबे के मुखिया और सरकार में शामिल मंत्रियों के बयान से तो ऐसा ही लग रहा है। पिछले दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने बच्चों की मौत के सवाल पर चुप्पी साध ली थी। अब सूबे के सीएम नीतीश कुमार बच्चों की मौत के सवाल पर जवाब देने की जगह मीडिया पर ही भड़क गए।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान शुक्रवार को राज्यसभा के लिए नामांकन करने के लिए पटना में मौजूद थे। सीएम नीतीश कुमार भी उनके साथ थे।

संक्षिप्त समाचार

बीजेडी के झंडे में लपेटा शहीद का शव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भुवनेश्वर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आईईडी ब्लास्ट में शहीद हुए ओडिशा के जवान अजीत कुमार साहू के ताबूत को बीजेडी के झंडे में लपेटे जाने के आरोप पर बीजू जनता दल ने सफाई दी है। बीजेडी ने इस घटना की निंदा की है और कहा है कि जो भी इस मामले में दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार को बीजेपी ने सत्ताधारी बीजू जनता दल पर आरोप लगाया था कि साहू की शहादत का राजनीतिकरण किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 40 मिनट में किए 24 योगासन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रांची। पांचवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रांची में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिरकत की। लगभग चालीस हजार लोगों के साथ पीएम मोदी ने 40 मिनट में 24 योगासन किए, जिसे देखकर बच्चे और बुजुर्ग सभी चकित रह गए। धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में योग के दौरान मोदी ने कोई त्रुटि नहीं की, जिसे देखकर लोग भी आश्चर्यचकित रह गए।

जापान में 27-29 जून को होगी जी-20 समिट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। जापान के ओसाका में 27-29 जून होने वाली जी-20 समिट में पीएम मोदी हिस्सा लेंगे। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री इस समिट में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे। रवीश कुमार ने बताया, श्यह छठा मौका होगा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 समिट में हिस्सा ले रहे हैं। वह इस दौरान द्विपक्षीय और बहुपक्षीय वार्ता में हिस्सा लेंगे, जिसकी जानकारी तारीख नजदीक आने पर दी जाएगी। जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

एनएसजी में भारत की एंट्री को तैयार नहीं चीन

बैठक के बीच ड्रैगन बोला, भारत पर कोई चर्चा नहीं होगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। आतंकी मसूद अजहर के मामले में साथ आया चीन अभी परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (छैळ) में भारत की एंट्री के लिए राजी नहीं है। चीन ने शुक्रवार को कहा कि गैर-एनपीटी सदस्यों के लिए विशेष योजना बनाए जाने से पहले भारत के इस एलीट ग्रुप में शामिल करने को लेकर कोई चर्चा नहीं होगी। ड्रैगन ने इस मसले पर सदस्य देशों के बीच आम सहमति बनाने को लेकर टाइमलाइन देने से भी इनकार कर दिया।

आपको बता दें कि कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में 20-21 जून को एनएसजी की पूर्ण बैठक हो रही है। भारत ने मई 2016 में एनएसजी की सदस्यता के लिए आवेदन किया था और तब से ही चीन अड़ंगा लगा रहा है। उसका कहना है कि इस संगठन में केवल उन्हीं देशों को शामिल किया जाए जिन्होंने अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

दरअसल, एनएसजी एक 48 सदस्य देशों का समूह है जो वैश्विक तौर पर परमाणु व्यापार को नियंत्रित करता है। गौर करने वाली बात यह है कि भारत और पाकिस्तान दोनों देशों ने एनएसजी पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। भारत के आवेदन करने के बाद पाकिस्तान ने भी 2016 में ही एनएसजी मेंबरशिप के लिए अप्लाई कर दिया था।

भारत को इस विशेष क्लब में शामिल करने के लिए चीन 2-स्टेप प्लान की मांग कर रहा है। इसके तहत वह एनएसजी सदस्यों से गैर-एनटीपी देशों की एंट्री के लिए कुछ नियमों पर प्रतिबद्धता चाहता है और उसके बाद ही वह चर्चा पर आगे बढ़ना चाहता है।

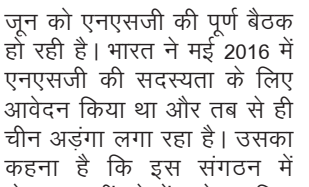

एनएसजी में भारत की एंट्री पर चीन का स्टैंड क्या बदला है?

इस बाबत पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लू कांग ने शुक्रवार को कहा कि ग्रुप एक खास प्लान पर पहुंचने से पहले उन देशों की एंट्री पर कोई चर्चा नहीं करेगा, जिन्होंने एनएसजी पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। चीनी प्रवक्ता ने आगे कहा, श्ऐसे में भारत के शामिल होने पर चर्चा का सवाल ही नहीं है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

लीची से हुई बच्चों की मौत?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■बिहार सरकार ने दिए जांच के आदेश

बिहार। बिहार में अक्यूट इन्सेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से लगातार हो रही बच्चों की मौतों के मद्देनजर इसका लीची से संबंध होने की जांच के आदेश दिए हैं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रेम कुमार ने शुक्रवार को जांच के आदेश दिए कि क्या लीची फल के सेवन से मौतें हो रही हैं।

मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और बागवानी अधिकारियों का एक दल प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा।

उन्होंने कहा कि यह व्यापक रूप से माना जा रहा है कि एईएस के मुजफ्फरपुर जिले में प्रकोप के पीछे के एक कारणों में लीची हो सकती है। बता दें कि मुजफ्फरपुर में बीते 20 दिनों में 136 से अधिक बच्चों की मौत हुई है।

एईएस का प्रकोप सामान्य तौर पर गर्मी के मौसम में लीची की फसल की दौरान होता है। हालांकि, अब तक आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि नहीं हुई है कि वायरस का कारण फल है। देश में मुजफ्फरपुर लीची के लिए मशहूर है।